

झूठी खाई थी कसम जो निभायी नइ..

झूठी खाई थी कसम जो निभायी नइ
हो झूठी खाई थी कसम जो निभायी नइ
काटी रात मैने खेतों में तू आई नई..

काटी रात मैने खेतों में तू आई नई
हो.. काटी रात मैने खेतों में तू आई नई

ले के आया भी मैं घर से राजाई नई
ले के आया भी मैं घर से राजाई नई

नहीं आयी आयी आयी तू तो आई नई
हो. नहीं आयी आयी आयी तू तो आई नई
हो. काटी रात मैने खेतों में तू आई नई

निकल रही थी मैं तो सज के सवर के
टोका मेरी अम्मा ने आंखें बड़ी कर के
हो..बोली मुझे क्यों री कहां चली कलमुही

खेतों में कुवारी छोरी जाती नहीं युंही
ऐसे लड़के जो खेतों में बुलाते हैं
हा..ऐसे लड़के जो खेतों में बुलाते हैं
बेटी बनते कभी भी वो जमाई नई

काटी रात मैने खेतों में तू आई नई
हो काटी रात मैने खेतों में तू आई नई

हो ढली जाए रे जवानी इंतज़ार में
ढली जाए रे जवानी तेरे प्यार में

तेरे चक्कर में दूसरी पतायी नई
तेरे चक्कर में दूसरी पतायी नई
तेरे चक्कर में दूसरी पतायी नई

काटी रात मैने खेतों में तू आई नई
हो काटी रात मैने खेतों में तू आई नई
हो काटी रात मैने खेतों में
तू आयी ना तू आयी नयी
हो काटी रात मैने खेतों में
तू आयी ना तू आयी नयी